मागदालीन* ✓

प्रकाश पाडगांवकार

चरित्रहीन शराबी मागदालीन, लोगों की हंसी-मज़ाक झेलकर,
लातें खाकर......अपने बेटे के साथ......अनवरत रो रही है......
हो रहा है मेरा कलेजा तार-तार..........और सोचते-सोचते......
बन जाता हूँ मैं ही मागदालीन, बयान करने लगता हूँ

---

*मागदालीन—बाइबल में जिसका ज़िक्र एक चरित्रहीन औरत के रूप में आता है, पर बाद में वह मसीहा के उपदेशों से, उनकी राह चलते हुए संत बन जाती है।

उसका दुख

"मेरे मालिक, ईसा मसीह ! होगा क्या भविष्य मेरा ?
सगे संबंधी सब चले गए हैं दूर
अब नहीं मुझे किसी का भी आधार/नहीं देख सकती मैं
अपना ही हाल, नहीं देख सकती मैं।
मुझे बताओ भगवन्, मेरे मरने के बाद/कौन देखेगा मेरे बेटे को?
कौन बुलाएगा उसे पास प्यार से !/उसकी शादी पर
शुभवचन, आशीर्वाद देने वाला, नहीं है कोई
कहकर रोएगा""उस समय, मेरी बहू को कैसा लगेगा ?
हे ईसा मसीह ! तुम्हीं बताओ/मैं उसकी माँ होते हुए भी
क्या फ़ायदा ? येशू ! है यह कैसा पाप-श्राप""
कैसा है यह मालदिसांव**, बुरे नसीबोंवाली मागदालीन
नसीबोंजली मागदालीन"" !
मागदालीन यानी""अंतहीन दुख की वर्षा......
मागदालीन यानी""गहनतम अंधकूप में,
बिलबिलाता एक जीव !"

**पाप